प्रधानमंत्री मोदी का लाओस दौरा एवं आसियान

➢ हालिया संदर्भ :

- भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21वें दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन आसियान (ASEAN, Association of South East Asian Nations) में भाग लेने के लिए 10–11 अक्टूबर को लाओस की राजधानी वियनतियाने के दौरे पर जाएंगे।
- 21वें आसियान–भारत समिट में भाग लेने के अलावा प्रधानमंत्री मोदी 19वीं पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे।
- ज्ञातव्य हो कि इस वर्ष लाओस आसियान सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है, जो आसियान का वर्तमान अध्यक्ष देश भी है।
- इस वर्ष आयोजित आसियान शिखर सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य म्यांमार में तेजी से हो रहे घटनाक्रम की पृष्ठभूमि है।
- ज्ञातव्य है कि म्यांमार में जातीय सशस्त्र संगठन और सैन्य शासन के बीच संघर्ष चल रहा है, जिसके कारण म्यांमार सहित आसपास के क्षेत्रों के क्षेत्रीय संपर्क और सुरक्षा योजनाओं में बाधा उत्पन्न हो रही है।
- भारतीय प्रधानमंत्री लाओस के इस दो दिवसीय दौरे पर आसियान–भारत शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद आसियान देशों के नेता के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।
- अपने वियनतियाने प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री मोदी “रामायण” के लाओ रूपांतरण को भी देखेंगे।

- लाओस प्राचीन भारतीय शास्त्रीय ग्रंथ रामायण को "फ्रा लाक फ्रा लाम" (राम लक्ष्मण) के रूप में मनाता है, जो दक्षिण पूर्व एशिया में मनाए जाने वाले कई भारतीय शास्त्रीय रूपांतरण में से एक है।

➢ आसियान (ASEAN) क्या है ?

- "आसियान" दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों का एक संगठन है, जिसकी स्थापना 8 अगस्त 1967 को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में हुई थी।
- आसियान के संस्थापक सदस्य देश इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलिपींस, सिंगापुर और थाईलैंड ने आसियान घोषणा पत्र, जिसे बैंकॉक घोषणा पत्र भी कहा जाता है, पर हस्ताक्षर किए थे।
- तत्पश्चात 7 जनवरी 1984 को ब्रुनेई, 28 जुलाई 1995 को वियतनाम, 23 जुलाई 1997 को लाओस (लाओ पीडीआर) तथा म्यांमार और 30 अप्रैल 1999 को कंबोडिया आसियान के सदस्य देशों में शामिल हुआ।
- वर्तमान में आसियान के कुल 10 सदस्य देश हैं।

- भारत आसियान का सदस्य देश नहीं है, लेकिन भारत 1992 और 1996 में आसियान का क्षेत्र भागीदार तथा वर्ष 2002 में शिखर सम्मेलन स्तर का भागीदार बना।
- वर्तमान में आसियान विकासशील विश्व में सबसे सफल अंतर–सरकारी संगठन है।
- आसियान के घोषणा पत्र में आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, तकनीकी, शैक्षिक और अन्य क्षेत्रों में क्षेत्रीय सहयोग को आगे बढ़ाने की बात कही गई है।

➢ आसियान–भारत संबंध :

- "आसियान" भारत की "एक्ट ईस्ट" नीति का केंद्र है, जो एशिया प्रशांत क्षेत्र में विस्तारित है।
- "एक्ट ईस्ट" नीति को भारत द्वारा 1990 के दशक में "लुक ईस्ट एक्ट" के रूप में तैयार किया गया था।
- भारत आसियान के साथ मिलकर दक्षिण–पूर्व एशिया जैसे अन्य देशों के साथ अपने संबंधों को मजबूत कर रहा है।
- आसियान देशों के साथ भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की निकटता के कारण "आसियान" भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण रहा है।
- भारत–आसियान संबंधों में राजनीतिक, रणनीतिक और सांस्कृतिक आयाम भी शामिल है तथा इनके बीच संवाद और सहयोग के लिए कई संस्थागत तंत्र की भी स्थापना की गई है।
- भारत आसियान प्लस–6 (+6) समूह का भी हिस्सा है, जिनमें चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया शामिल है।
- वर्ष 2010 में भारत और आसियान के बीच एक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किया गया, जो वर्तमान में लागू है।

➢ पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन क्या है ?

- पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (EAS) की शुरुआत वर्ष 2016 में आसियान के 10 सदस्य देशों और आसियान प्लस–6 (+6) के देशों के बीच शुरू की गई थी।
- बाद में इस शिखर सम्मेलन में संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस भी शामिल हो गया।
- पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन प्रत्येक वर्ष इनके कुल 18 देशों के राष्ट्राध्यक्षों/शासनाध्यक्षों की बैठक आयोजित करता है।

➢ लाओस :

- लाओस आधिकारिक रूप से "लाओस जनवादी लोकतांत्रिक गणराज्य" के नाम से जाना जाता है।
- दक्षिण पूर्व एशियाई इस देश के उत्तर पश्चिम में म्यांमार और चीन, पूर्व में कंबोडिया, दक्षिण में वियतनाम और पश्चिम में थाईलैंड स्थित है।
- 19 जुलाई 1949 को लाओस को फ्रांस से आजादी मिली थी।
- लाओस को "हजारों हाथियों की भूमि" भी कहा जाता है।
- 77 लाख की आबादी वाले इस देश का कुल क्षेत्रफल 2.36 लाख Sq km है।

➢ भारत–लाओस संबंध :

- भारत और लाओस के बीच कूटनीतिक संबंध वर्ष 1956 में स्थापित हुआ।
- सर्वप्रथम भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 1954 में लाओस का दौरा किया।
- तत्पश्चात वर्ष 2002 में अटल बिहारी वाजपेयी, 2004 में मनमोहन सिंह तथा 2016 में नरेंद्र मोदी लाओस का दौरा कर चुके हैं।
- भारत और लाओस के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक संबंध रहे हैं।
- बौद्ध धर्म और रामायण दोनों देशों के बीच साझा धार्मिक विरासत का हिस्सा है।

Result Mitra

- भारत और लाओस के बीच वित्तीय वर्ष 2023–24 में लगभग 112.6 मिलियन डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार है।
- इस द्विपक्षीय व्यापार में भारत 99.7 मिलियन डॉलर का आयात और 12.9 मिलियन डॉलर का निर्यात करता है।
- भारत लाओस को मेडिकल उत्पाद, मशीनरी, ऑटोमोबाइल अप्लायंस, मैकेनिकल अप्लायंस आदि निर्यात करता है, जबकि लाओस से कीमती धातु एवं लकड़ी और उससे बने उत्पाद का आयात करता है।
- लाओस की भौगोलिक स्थिति के कारण लाओस भारत के लिए रणनीतिक और व्यापारिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण स्थान रखता है।
- लाओस, भारत की इंडो–पेसिफिक, विजन के साथ–साथ साउथ चाइना सी में चीन के बढ़ते प्रभुत्व के लिए महत्वपूर्ण है।

Result Mitra